छत्तीसगढ़ की पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ 'लैंड एडवेंचर पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

30 नवंबर, 2022 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छत्तीसगढ़ की पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय पुरस्कार के तहत 'लैंड एडवेंचर पुरस्कार'से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय लैंड एडवेंचर पुरस्कार के लिये बस्तर की पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ को चुना था। नैना सिंह धाकड़ यह राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला बन गई हैं।
- तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय पुरस्कार चार श्रेणियों- लैंड एडवेंचर (भूमि साहसिक), वॉटर एडवेंचर (जल साहसिक), एयर एडवेंचर (वायु साहसिक) और लाइफ टाइम अचीवमेंट (जीवनभर की उपलब्धि) में दिया जाता है। इस पुरस्कार के तहत प्रत्येक श्रेणी में 15 लाख रुपए और स्मृति चिन्ह के साथ प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।
- तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार प्रतिवर्ष साहसिक कार्य के क्षेत्र में व्यक्तियों की उपलब्धि की प्रशंसा के लिये दिये जाते हैं। यह पुरस्कार लोगों को धीरज, जोखिम लेने, सहकारी टीम वर्क और त्वरित सजगता की भावना विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- गौरतलब है कि नैना सिंह धाकड़ ने दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट और चौथी सबसे ऊँची चोटी माउंट ल्होत्से में 10 दिनों के भीतर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया था। नैना धाकड़ यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली भारत की पहली महिला पर्वतारोही है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/land-adventure-award